HINDUSTAN, Prayagraj, 25.6.2020
Page No. 11, Size:(18.52)cms X (19.06)cms.

# मांग: आश्रय गृह मामले में आयोग को ज्ञापन

नई दिल्ली | एजेंसियां

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की महिला शाखा 'ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक वीमेंस एसोसिएशन ने कानपुर के सरकारी बालिका आश्रय गृह में व्याप्त कुव्यवस्था पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को बुधवार को ज्ञापन सौंपा। इस संरक्षण गृह में 57 लड़कियां कोविड-19 से संक्रमित पाई गई हैं।

एसोसिएशन ने अपने ज्ञापन में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को यह सुनिश्चित करने के लिए सभी कदम उठाने को कहा कि लड़कियों के अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी जाए। आयोग ने मंगलवार को इस संबंध में मीडिया खबरों पर स्वतः संज्ञान लिया था।

## कुव्यवस्था

- आश्रय गृह में 57 लड़कियां कोरोना से संक्रमित पाई गई थीं
- लड़कियों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जाए

माडिया खबरों में कहा गया था कि इन लड़कियों में से पांच गर्भवती हैं और एक एचआईवी पॉजिटिव है। हालांकि, कानपुर जिला प्रशासन ने रविवार को स्पष्ट किया था कि लड़कियां उस समय ही गर्भवती थी जब वे आश्रय गृह आई थीं। महिला संगठन ने कहा कि उनकी सदस्यों ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार से मुलाकात की और उन्हें एक ज्ञापन सौंप इस रिपोर्ट की गंभीरता के साथ जांच कराए जाने की मांग की।

HINDUSTAN, Delhi, 25.6.2020
Page No. 13, Size:(12.63)cms X (8.48)cms.

# आश्रय गृह मामले में आयोग को ज्ञापन

नई दिल्ली | एजेंसियां

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) की महिला शाखा 'ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक वीमेंस एसोसिएशन ने कानपुर के सरकारी बालिका आश्रय गृह में व्याप्त कुव्यवस्था को लेकर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) को बुधवार को ज्ञापन सौंपा। इस संरक्षण गृह में 57 लड़कियां कोविड-19 से संक्रमित पाई गई हैं।

एसोसिएशन ने अपने ज्ञापन में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को यह सुनिश्चित करने के लिए सभी कदम उठाने को कहा कि लड़कियों के अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी जाए। आयोग ने मंगलवार को इस संबंध में मीडिया खबरों पर स्वतः संज्ञान लिया था।

## मांग

- आश्रय गृह में 57 लड़कियां कोरोना से संक्रमित पाई गई थीं
- लड़कियों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जाए

माडिया खबरों में कहा गया था कि इन लड़कियों में से पांच गर्भवती हैं और एक एचआईवी पॉजिटिव है। हालांकि, कानपुर जिला प्रशासन ने रविवार को स्पष्ट किया था कि लड़कियां उस समय ही गर्भवती थी जब वे आश्रय गृह आई थीं। महिला संगठन ने कहा कि उनकी सदस्यों ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार से मुलाकात की और उन्हें एक ज्ञापन सौंप इस रिपोर्ट की गंभीरता के साथ जांच कराए जाने की मांग की। संगठन ने कहा, हमने उनसे यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया कि आश्रय गृह के प्रबंधन को किसी दस्तावेज या सूचना से छेड़छाड़ करने का मौका नहीं मिलना चाहिए। एसएसपी ने हमें ध्यान से सुना और दक्षिणी क्षेत्र की पुलिस अधीक्षक को जांच करने का निर्देश दिया।

महिला समूह ने बताया कि आश्रय गृह में भीड़-भाड है। यह 100 बच्चियों को रखने लायक है जबकि इसमें कम से कम 171 बच्चियां रखी गई हैं और इन सभी के लिए केवल नौ शौचालय हैं।